Patrika (Indore), 24th July 2023, Front Page – Plus 03

करार

दो साल के एलाइड ऑप्टिक एंड लेजर टेक्नोलॉजी के पीजी कोर्स की शुरुआत

RRCAT-IIT तैयार करेंगे एडवांस टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ

प्रमोद मिश्रा
patrika.com

इंदौर. राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर मिलकर एडवांस टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ तैयार करेंगे। कैट व आइआइटी ने देश में पहली बार दो साल के एलाइड ऑप्टिक एंड लेजर टेक्नोलॉजी पीजी कोर्स पर साथ काम करने का करार किया है। पहले साल आइआइटी तो दूसरे साल कैट में पढ़ाई होगी, फिर कैट की प्रयोगशाला में प्रोजेक्ट पर काम होगा। दो साल बाद छात्र आधुनिक तकनीक के विशेषज्ञ बनकर निकलेंगे। देश-विदेश में विकसित तकनीक को संचालित करने वाले विशेषज्ञों की कमी है। आधुनिक तकनीक की मशीनों के लिए सर्विस इंजीनियर को विदेश से बुलाना महंगा पड़ता है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) आधारित वर्किंग भी इसमें शामिल है। इसे ध्यान में रखते हुए आरआर कैट व आइआइटी साथ आए हैं।

दोनों बड़े संस्थानों ने किया एमओयू

कैट निदेशक शंकर विनायक नाखे व आइआइटी निदेशक डॉ. सुहास जोशी के बीच कोर्स के लिए एमओयू साइन किया। इसके बाद कैट से डॉ. सीपी पॉल व आइआइटी से प्रो. आइए पलानी को को-ऑर्डिनेटर बनाया गया। कैट व आइआइटी ने दो साल के एलाइड ऑप्टिक एंड लेजर टेक्नोलॉजी का विशेष पीजी कोर्स तैयार किया है।

गेट के जरिए 15 का चयन

ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के जरिए 15 स्टूडेंट्स को इस कोर्स के लिए चयनित करने का लक्ष्य रखा गया है। पहले साल बेसिक कोर्स, परीक्षा आदि आइआइटी द्वारा संचालित की जाएगी। कैट के विशेषज्ञ वहां क्लास लेंगे। कोर्स का दूसरा साल पूरा कैट में होगा। यह प्रोजेक्ट वर्किंग का रहेगा।

हर ब्रांच के लिए कोर्स

आइआइटी विशेषज्ञ के मुताबिक, यह पीजी कोर्स किसी स्पेशल ब्रांच नहीं, बल्कि हर तरह की ब्रांच के स्टूडेंट के लिए है। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, मटेरियल साइंस आदि सभी ब्रांच के स्टूडेंट्स इसमें शामिल हो सकते हैं। कोर्स के लिए चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही क्लासेस शुरू होंगी।